स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सी.बी.सी.एस.)
(BAG)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2023 एवं जनवरी, 2024 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एल.ए–135
हिंदी भाषा : विविध प्रयोग

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिन्दी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : / बी.एच.डी.एल.ए–137 / बीएजी

प्रिय छात्र / छात्राओं!
'हिंदी भाषा : विविध प्रयोग' पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है जिसके तीन भाग हैं और तीनों अनिवार्य हैं। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस पाठ्यक्रम में आपको लेखन कौशल का व्यावहारिक ज्ञान कराया गया है। सत्रीय कार्य में हमने अधिकांश प्रश्न ऐसे दिए हैं, जिनसे लेखन कौशल से संबद्ध आपकी कुशलता की जाँच हो सके। इससे आपको अपनी क्षमता का विकास करने में मदद मिलेगी तथा जाँचे हुए सत्रीय कार्यों से आप अपनी त्रुटियों और कमजोरियों को पहचान सकेंगे और उन्हें दूर कर सत्रांत परीक्षा में बेहतर परिणाम पा सकेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख कीजिए।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : .....
नाम : .....
पता : .....
.....
.....

पाठ्यक्रम का नाम / कोड : .....
सत्रीय कार्य कोड : .....
अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड : ..... दिनांक : .....

---

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2023 सत्र के लिए : **30 अप्रैल, 2024**
जनवरी 2024 सत्र के लिए : **31 अक्तूबर, 2024**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य के तीन खंड हैं और उसमें तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए। व्यावहारिक लेखन से संबंधित प्रश्नों को करने के लिए इकाइयों को पढ़ने के साथ-साथ पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाले लेखों का भी अध्ययन करें। इनसे आपको सत्रीय कार्य करने में मदद मिलेगी।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

1. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

2. **विशेष :** अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी भाषा : विविध प्रयोग
(BHDLA – 135)
सत्रीय कार्य
(खंड 1 एवं 2 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.एल.ए.–135
सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.डी.एल.ए.–135/टी.एम.ए/2023–24
कुल अंक–100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य है। दस अंक के प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में तथा पाँच अंक के प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। शेष प्रश्नों के उत्तर, दिए गए निर्देशों के आधार पर दीजिए।

भाग – 1

(1) वर्तनी के नियमों को विस्तार से लिखिए। 10
(2) प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूपों पर विस्तार से चर्चा कीजिए। 10
(3) सूचना प्रौद्योगिकी में हिन्दी भाषा के प्रयोग को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10
(4) राजभाषा नियम 1976 के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए। 10

भाग – 2

(5) प्रत्यय और शब्द निर्माण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। 10
(6) भाषण की शैलीगत विशेषताएँ बताइए। 10
(7) बैंकों में हिन्दी के प्रयोग पर प्रकाश डालिए। 10

भाग – 3

(8) निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए : 5x2=10

i) आयोग
ii) संकल्पना
iii) संविधान
iv) अनुच्छेद
v) लालित्य

(9) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : 2x5=10

(क) सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय जागरण
(ख) शब्दकोश

(10) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : 2x5=10

i) भाषण
ii) भारत की ललित कलाएँ